BHARATI

ONE NATION. ONE SCRIPT.

Bharati-Hindi Primer

bharati

one nation. one script.

INTRODUCTION

Bharati is a common script for India. The Roman script is used as a common script for many European languages (English, French, German, Italian etc.), which facilitates communication across nations that speak and write those languages. Likewise a common script for the entire country can bring down many communication barriers in India.

स्वर	ṡvr
अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ ऑ अं अः	

व्यंजन

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ

क़ ख़ ग़ ज़ फ़ ढ़ य़

व्यंजन

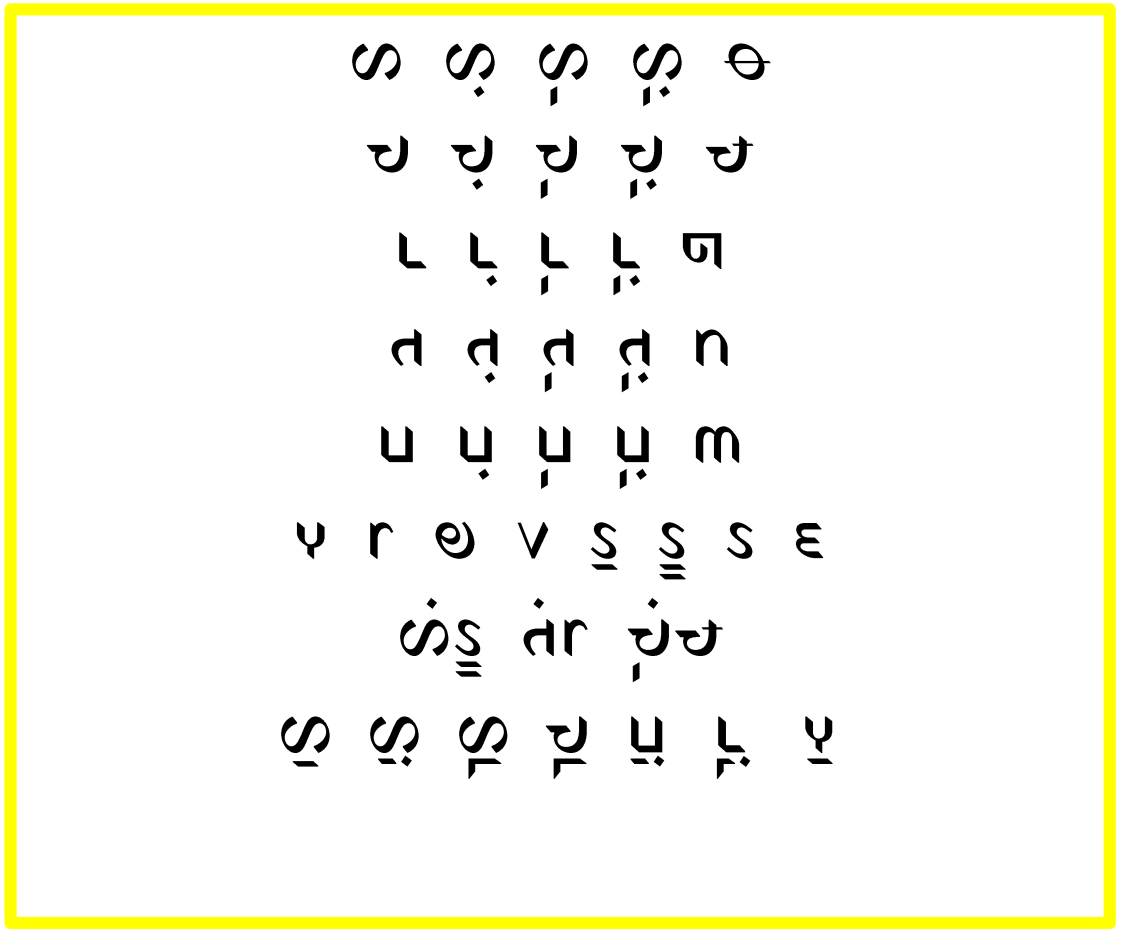

बरखड़ी

क का कि की
कु कू कृ के कै
को कौ कॉ
कं कः क्

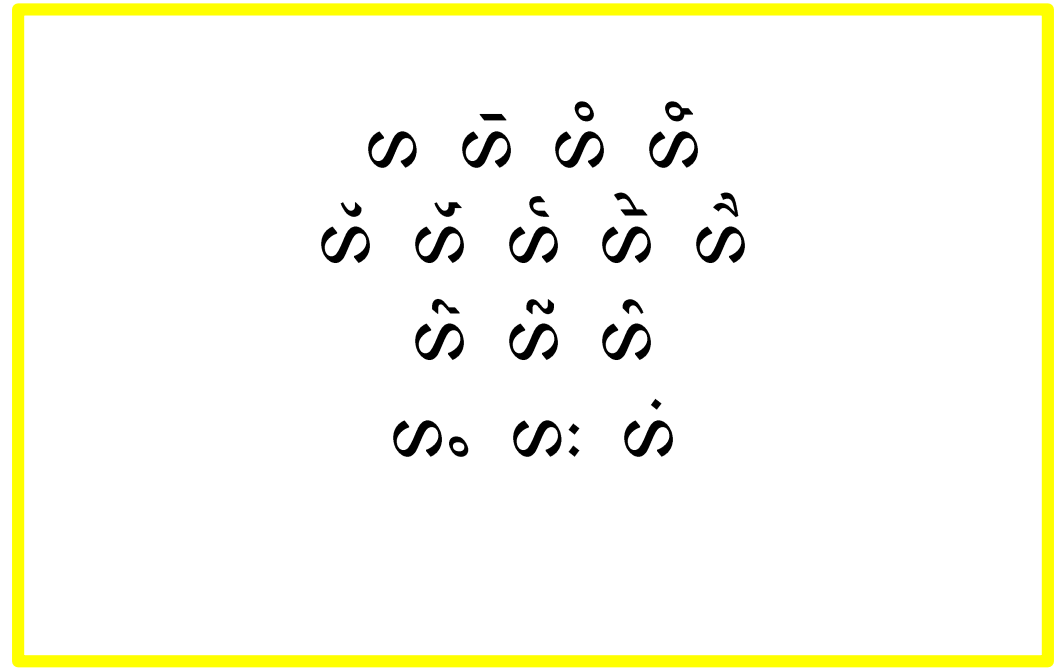

अनार

ɔn̄r

आम

ɔ̄m

इमली

ईख

उल्लू

ऊन

एक

ऐनक

ओखली	औरत
ɔ̂ɷ̣ɵ̂	ɔ̃rt

अंगूर

ऋषि

कमल

खरगोश

गमला

घर

घड़ा

चम्मच

छतरी

जग

झंडा

ਝੰਡਾ

व्यञ्जन

ਵਿਅੰਜਨ

टमाटर

ठप्पा

डमरू

ढोलक

बाण

तराजू

थर्मस

ṭirms

दवात

ṭV̄t

धनुष

𑴞𑴟𑴴𑴪

नल

𑴟𑴧

पतंग

फल

बत्तख

भालू

मछली

यान

रस्सी

ᱨᱥᱥ

लट्टू

ᱞट्टू

वक

शलगम

षट्कोण

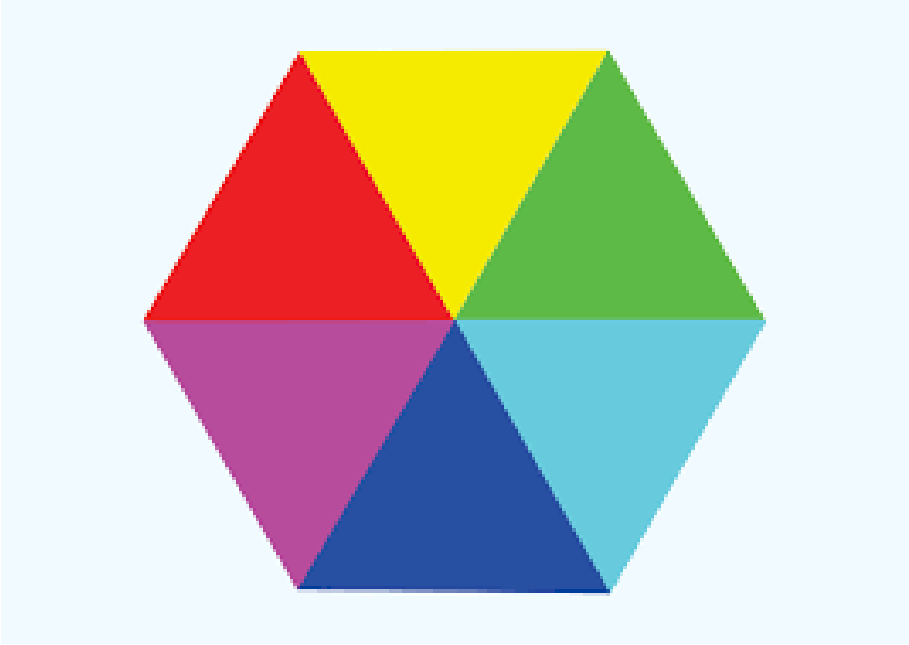

ಷಟ್ಕೋಣ

सूरज

ಸೂರ್ಯ

हल

ಕ್ಷತ್ರಿಯ

ಕ್ಷತ್ರಿಯ

त्रिशूल

ત્રિશૂળ

ज्ञानी

જ્ઞાની

हिंदी कविता

तितली और कली

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक काली ।
तितली उससे जाकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखे खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी
महके सारी गली गली।

काली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत वेल की सुनकर बात।
स्वयं हवा के लगी भागने

ईसप की दंतकथाएँ

मछुआरा और छोटी मछली

एक बार एक मछुआरे के कांटे में एक छोटी सी मछली फंस गई. और बोली - "मछुआरे! मुझे छोड़ दे."

मछुआरे को आश्चर्य हुआ कि मछली बोल रही है. उसने पूछा कि क्यों, और यदि उसे छोड़ देगा तो खाएगा क्या?
मछली बोली –
"मुझे अभी छोड़ दे, बाद में मुझे फिर से पकड़ लेना. फिर मैं बड़ी हो जाऊंगी तो तुम्हें ज्यादा पैसे मिलेंगे."

मछुआरा बोला – "प्यारी मछली, तुम सही हो, परंतु मैं उन मूर्खों में से नहीं हूँ जो – आधी छोड़ सारी
को धावे, आधी मिले न सारी पावे"

शिक्षा – हम सुनहरे, आने वाले कल की आशा कर सकते हैं, परंतु बीता
हुआ कल कभी वापस नहीं आता. जो चीज अभी हाथ में है, उसे बेहतर की प्रत्याशा में जाने मत दो.

प्रश्नोत्तर (ṡrṡ̱ñṫtar)

१ s̱ṗṫ ω mōn ωr

εr	mcỵθ
mεωt	ωθ
ṡŗr	ωo
šnεr	ḻo
rφθ	φθ

२ vω nṙmn ωr

mεω

mcỵθ

cθ

mrφ

tθ

३ φθs̱tn ṃr

ω) _ t

ω) _ φ

φ) m _ ɔ _

φ) _ s

ɵ) s̱ω _

४ ñc tv φv ṡrs̱ñ ω ɔtatr t

ω) ωθ ωε ur oφ εɔ t?

ω) ωθ n vo ω ṃt šnωr ωv ωr?

φ) mcɔr ω ωL m ωn ṃs?

φ) mcɔr ω ɔs̱crv ωv εɔ?

ɵ) ωθ ω ωsn tru ωr ɔr ωv ωε?

तब तक लड़ना मत छोड़ो जब तक अपनी तय की हुई जगह पे ना पहुँच जाओ- यही, अद्वितीय तुम हो। ज़िन्दगी में एक लक्ष्य रखो, लगातार ज्ञान प्राप्त करो, कड़ी मेहनत करो, और महान जीवन को प्राप्त करने के लिए दृढ रहो।

- ए पी जे अब्दुल कलाम

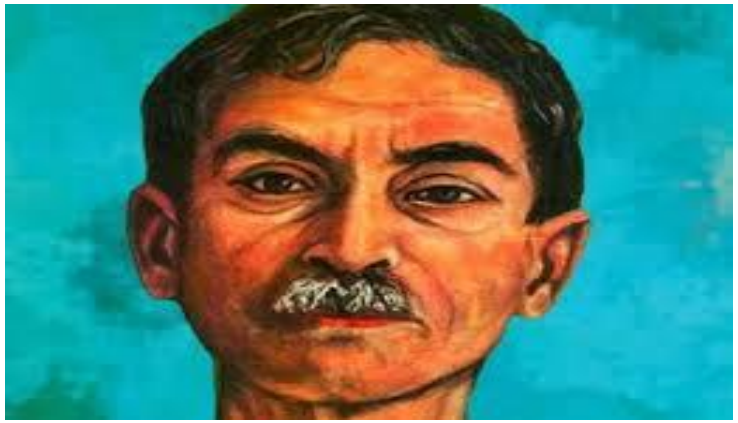

जिस साहित्य से हमारी सुरुचि न जागे, आध्यात्मिक और मानसिक तृप्ति न मिले, हममें गति और शक्ति न पैदा हो, हमारा सौंदर्य प्रेम न जागृत हो, जो हममें संकल्प और कठिनाइयों पर विजय प्राप्त करने की सच्ची दृढ़ता न उत्पन्न करे, वह हमारे लिए बेकार है वह साहित्य कहलाने का अधिकारी नहीं है।"

- मुंशी प्रेमचंद

For more information	http://www.bharatiscript.com/
Suggestions / feedback can be sent to	bharatiscript@gmail.com
Facebook	www.bit.ly/BharatiFB
YouTube channel	www.bit.ly/BharatiYouTube
Google play store apps	www.bit.ly/BharatiGooglePlay